अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वित्त विकास निगम द्वारा अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों को रोजगार

3028. **श्री ईश दत्त यादव :**
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या **कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1994 के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वित्त विकास निगम द्वारा अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के कितने व्यक्तियों को रोजगार देने का लक्ष्य हैं और इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई हैं; और

(ख) ये निगम किन-किन राज्यों में चल रहे हैं ?

कल्याण मंत्री (श्री सीताराम केसरी) : (क) राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वित्त तथा विकास निगम लाभ ग्राहियों को सीधे रोजगार प्रदान नहीं करता तथापि, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वित्त तथा विकास निगम योजना के अधीन अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों को स्वरोजगार सहित व्यवहार्य आय सृजक योजनाओं के लिए वित्तीय सहयता प्रदान करता है । वर्ष 1994–95 के दौरान राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वित्त तथा विकास निगम ने 25,000 लाभ प्राप्तग्राहियों को शामिल करने का लक्ष्य रखा है । 1994–95 के लिए आवंटित निधि 40 करोड़ रु० है ।

(ख) राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वित्त तथा विकास निगम एक राष्ट्रीय स्तर का निगम हैं जो माध्यम एजेंसियों के जरिए, जो अधिकांशत: राज्य स्तर की अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के विकास निगम हैं, राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता हैं ।

उन राज्य सरकारों ने जहां अनुसूचित जाति विकास निगम नहीं हैं, अन्य सरकारी संगठनों का नामांकन माध्यम एजेंसियों के रूप में किया है । प्राप्त हुए प्रस्तावों के आधार पर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम ने अभी तक असम, आंध्र प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, गोवा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, चंडीगढ, दिल्ली, गुजरात, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, करल, मिजोरम, मणिपुर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, पंजाब, पांडिचेरी, राजस्थान, त्रिपुरा, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, तथा पश्चिम बंगाल राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता दी हैं ।

Publishing the writing of Dr. B. R. Ambedkar

3029. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI RAJUBHAI A. PARMAR:

Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether the project for publishing the writings of Dr. B. R. Ambedkar in 8 regional languages has been inordinately delayed;

(b) if so, the reasons for such inordinate delay; and

(c) the phase-wise details of the project; and the progress so far made in implementation thereof?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): (a) *Details of the Project;*

The Government has undertaken prestigious Project of Translation and Publication of Writings and Speeches of Baba Saheb Dr. B. R. Ambedkar in Hindi and various regional Languages as one of the special Schemes emanating from the Centenary Celebrations of Baba Saheb Dr. B. R. Ambedkar.

Translation in regional languages is to be made from the English Volumes of Baba Saheb's Writings and Speeches as brought out by the Govt. of Maharashtra. Initially, it was decided to translate and publish Baba Saheb's Writings and